Dainik Jagran, Delhi 23 November, 2006

अर्णव का गायन

संगीत की दुनिया में करियर बनाने वाले अर्णव चक्रवर्ती ने 'खाकी' में 'वादा रहा प्यार से...' और 'फैमिली' में 'कतरा कतरा, जीएंगे...' गीत गाए, लेकिन आगे जो उम्मीद थी, वह पूरी नहीं हो पाई। अर्णव कहते हैं, 'मुझे मुंबई फिल्म इंडस्ट्री और पार्श्वगायन की हकीकत का ज्यादा नहीं मालूम, लेकिन उम्मीद थी कि इन गानों के बाद ऑफर आने शुरू हो जाएंगे। हालांकि ऑफर तो आ रहे हैं, लेकिन उससे संतोष नहीं हो रहा है।'

अर्णव ने पहला गीत शंकर-अहसान-लॉय के संगीत निर्देशन में 'ये क्या हो रहा है' के लिए गाया था। उन्हें संतोष है कि 'वादा रहा प्यार से...' गीत 'जी सिने अवार्ड्स 2005' में नॉमिनेट हुआ था। यह गीत की लोकप्रियता का सबूत था। अर्णव ने कई एलबमों में भी गाया है, लेकिन 'नाम' उनके करियर का वह पहला एलबम है, जिसमें सभी गीत उन्होंने गाए हैं। इसके सभी गीत लोक संस्कृति की धुनों पर आधारित हैं। इनमें पश्चिमी धुनों को भी कहीं-कहीं मिक्स किया गया है। इसका टाइटिल सॉन्ग 'नाम...' बंगाल के लोक संगीत 'बाउल' से प्रेरित है। 'सूनी...' गाने में प्रेमी-प्रेमिका के वियोग और उसके इंतजार की बातें हैं। 'बरसात...', 'जे है...', 'एतबार...' आदि रोमांटिक फोक हैं। 'जे है...' बिहार का लोकगीत है, तो 'एतबार' पश्चिमी संगीत पर आधारित है। ये सभी गीत अपने-अपने मूड से बताते हैं कि किस शैली और किस परंपरा के गीत हैं। इसके संगीतकार हैं डॉली हजारिका। गीत लिखे हैं अमित सिंह और अमिताभ भट्टाचार्य ने। अर्णव मेघना गुलजार की फिल्म 'बात पक्की' से संगीतकार प्रीतम के साथ नई शुरुआत करने वाले हैं।

आनंद भारती